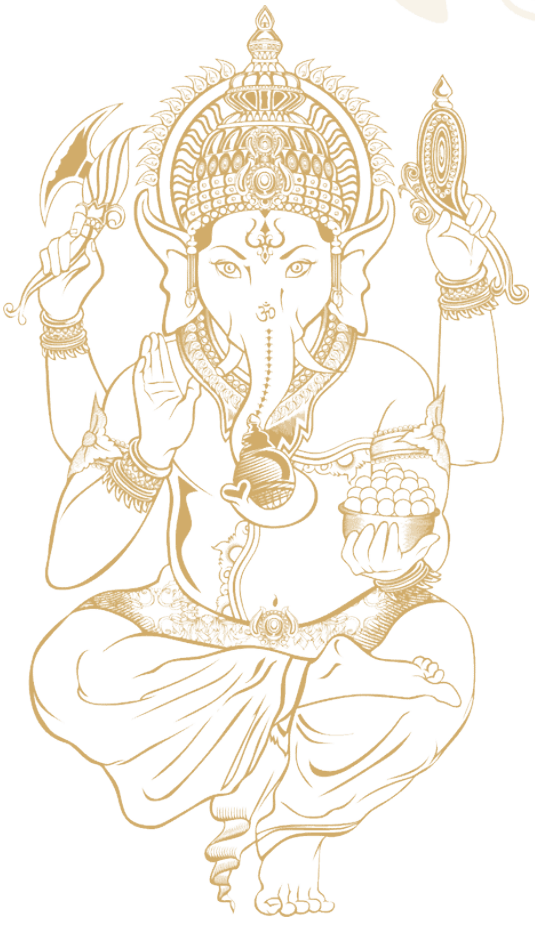

Dinesh

Ankita

Model: Love-Horoscope

Order No: 120022601

Model: Love-Horoscope

Order No: 120022601 Date: 07/11/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/12/1996	जन्म तिथि	16-17/06/1999
गुरुवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 14:00:00	जन्म समय	01:30:00 घंटे
घटी 17:29:32	जन्म समय(घटी)	50:14:10 घटी
India	देश	India
Gurgaon	स्थान	Manesar Village
28:27:00 उत्तर	अक्षांश	28:20:59 उत्तर
77:01:00 पूर्व	रेखांश	76:56:41 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:56	स्थानिक संस्कार	-00:22:13 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:00:11	सूर्योदय	05:24:51
17:25:03	सूर्यास्त	19:20:45
23:48:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:46

मीन	लग्न	मीन
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
कन्या	राशि	कर्क
बुध	राशि-स्वामी	चन्द्र
हस्त	नक्षत्र	पुष्य
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	3
आयुष्मान	योग	व्याघात
वणिज	करण	वणिज
ष-षडबली	जन्म नामाक्षर	हो-होमवती
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
वैश्य	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
महिष	योनि	मेष
देव	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
मेष	वर्ग	मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 7वर्ष 5मा 11दि		18:51:33	मीन	लग्न	मीन	22:30:52	शनि 4वर्ष 11मा 12दि	
राहु		19:40:26	वृश्चि	सूर्य	मिथु	01:23:16	केतु	
19/05/2011		13:24:04	कन्या	चंद्र	कर्क	13:11:30	30/05/2021	
18/05/2029		24:41:10	सिंह	मंगल	तुला	01:35:58	29/05/2028	
राहु	29/01/2014	07:18:12	धनु	बुध	मिथु	23:16:13	केतु	26/10/2021
गुरु	23/06/2016	25:25:38	धनु	गुरु	मेष	04:11:27	शुक्र	26/12/2022
शनि	30/04/2019	21:23:58	तुला	शुक्र	कर्क	16:38:04	सूर्य	03/05/2023
बुध	17/11/2021	06:47:52	मीन	शनि	मेष	18:58:25	चन्द्र	02/12/2023
केतु	05/12/2022	11:45:36	कन्या व	राहु व	कर्क	20:05:54	मंगल	29/04/2024
शुक्र	05/12/2025	11:45:36	मीन व	केतु व	मक	20:05:54	राहु	17/05/2025
सूर्य	30/10/2026	08:07:22	मक	हर्ष व	मक	22:40:57	गुरु	23/04/2026
चन्द्र	30/04/2028	02:06:49	मक	नेप व	मक	10:05:58	शनि	02/06/2027
मंगल	18/05/2029	09:35:21	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:50:07	बुध	29/05/2028

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:51 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:46

लग्न-चलित

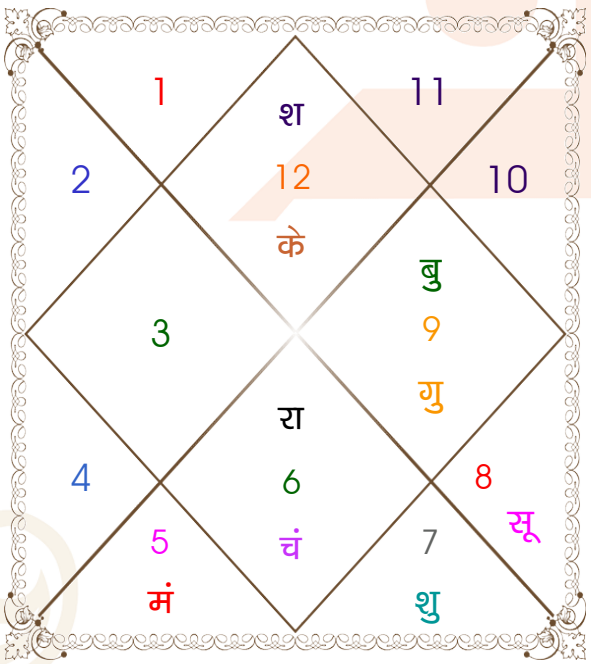

लग्न-चलित

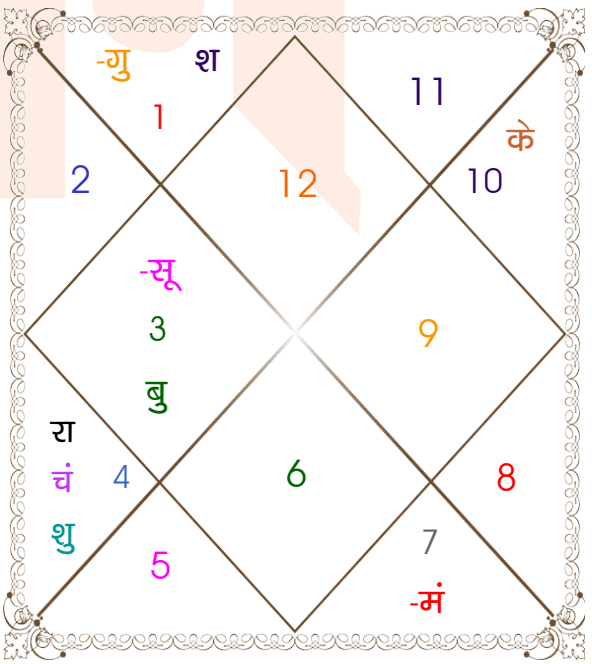

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.50		

कुल : **27.5 / 36**

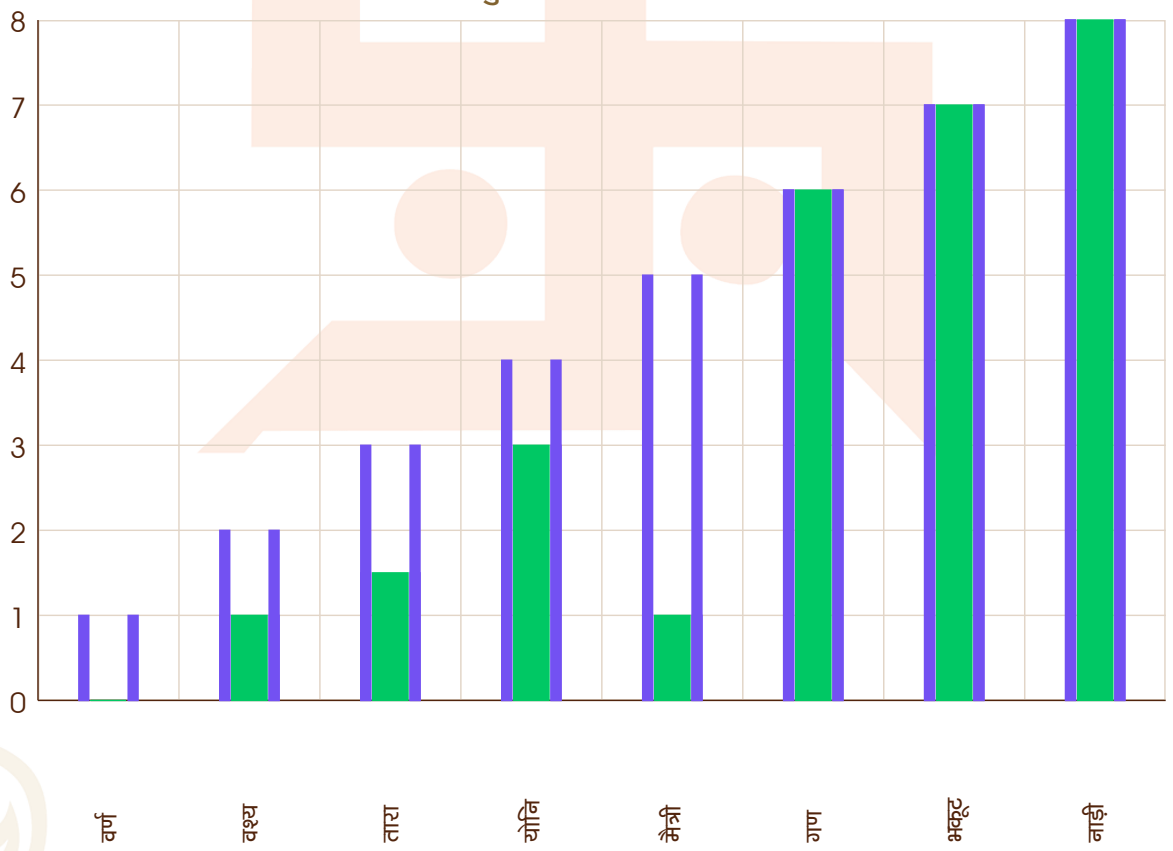

अष्टकूट मिलान

Dinesh का वर्ग मेष है तथा Ankita का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Dinesh और Ankita का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Dinesh मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ankita मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Dinesh कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Dinesh तथा Ankita में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Dinesh का वर्ण वैश्य है तथा Ankita का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Ankita का वर्ण Dinesh के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Ankita अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। Ankita को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

Dinesh का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ankita का वश्य जलचर है अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। मनुष्य एवं जलचर दोनों प्रकृति के अंग हैं यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग होते हैं तथा प्रकृति ने दोनों के अलग-अलग कार्य एवं उत्तरदायित्व निर्धारित किये हैं। इसलियें Dinesh एवं Ankita दोनों सामान्यतः एक-दूसरे के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करेंगे तथा एक-दूसरे के लिए हानिकारक सिद्ध नहीं होंगे। सामान्यतः Dinesh Ankita पर नियंत्रण स्थापित करने में समर्थ होगा। हालांकि यह अनुकूल मिलान नहीं है क्योंकि Dinesh हमेश Ankita के ऊपर हावी रहेगा।

तारा

Dinesh की तारा साधक तथा Ankita की तारा प्रत्यरि है। Ankita की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Dinesh एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Ankita का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Ankita के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Dinesh अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Dinesh की योनि महिष है तथा Ankita की योनि मेष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे

के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Dinesh से Ankita का राशि स्वामी शत्रु है। परन्तु Ankita से Dinesh का राशि स्वामी मित्र है अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। इनके कुंडली मिलान में Dinesh का राशि स्वामी Ankita के राशि स्वामी को शत्रु समझता है इसलिये ऐसी स्थिति में Dinesh उग्र, अविश्वासी एवं धोखेबाज हो सकता है जिसके कारण वह अपनी पत्नी से झगड़ा करने का कोई मौका नहीं गंवायेंगा तथा परिवार में अक्सर तनाव की स्थिति बनी रहेगी। जबकि इसके विपरीत कन्या, Dinesh को खूब प्यार करने वाली तथा ख्याल रखने वाली होंगी।

गण

Dinesh का गण देव तथा Ankita का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Dinesh से Ankita की राशि एकादश भाव में स्थित है तथा Ankita से Dinesh की राशि तृतीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Dinesh परिश्रमी, प्रिय, खुश तथा अपना हर कार्य को उत्साह से संपादित करने वाले होंगे। वह अपने परिवार, पड़ोसियों तथा पूरे समाज की आंखों का तारा होंगे। उनके अपनी पत्नी के साथ उसके संबंध अति मधुर होंगे। दूसरी ओर Ankita हर गुण से परिपूर्ण होगी तथा पति के लिए सदैव सहायक होंगी। वह स्वयं भी व्यावसायिक गतिविधियों में लिप्त रहकर धन कमायेंगी। तथा घर के प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देंगी। साथ ही भविष्य के लिए बचत भी करती रहेंगी।

नाड़ी

Dinesh की नाड़ी आद्य है तथा Ankita की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न

जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Dinesh की जन्म राशि पृथ्वीतत्व युक्त कन्या तथा Ankita की राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है। नैसर्गिक रूप से पृथ्वी एवं जलतत्व में समानताएं होने के कारण Dinesh और Ankita के मध्य स्वाभाविक समानता रहेगी जिससे परस्पर दाम्पत्य संबधों में मधुरता का भाव रहेगा। अतः मिलान अनुकूल रहेगा।

Dinesh की राशि का स्वामी बुध तथा Ankita की राशि का स्वामी चन्द्रमा परस्पर मित्र एवं शत्रु राशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से यदा कदा परस्पर संबधों में तनाव का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही Ankita Dinesh के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगी जिससे Dinesh को Ankita से अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। फलतः एक दूसरे के प्रति सहयोग मित्रता एवं सहयोग के भाव में न्यूनता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन का सुख मध्यम रहेगा।

Dinesh एवं Ankita की राशियां परस्पर एकादश एवं तृतीय भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त दुष्प्रभावों में कमी होगी तथा परस्पर सामंजस्य स्थापित करके सहयोग एवं सहानुभूति का भाव रखेंगे। साथ ही गुणों पर विशेष ध्यान देकर एक दूसरे की कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता बढ़ेगी तथा मानसिक शांति भी बनी रहेगी।

Dinesh का वश्य मानव तथा Ankita का वश्य जलचर है। नैसर्गिक रूप से मानव एवं जलचर में असमानता का भाव रहता है। अतः Dinesh और Ankita के मध्य शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भिन्न रहेंगी तथा काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे। अतः धैर्य एवं सावधानी से ही शुभ फल प्राप्त हो सकते हैं।

Dinesh का वर्ण वैश्य एवं Ankita का वर्ण ब्राह्मण है। अतः Dinesh धनार्जन में प्रवृत होंगे तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्यो को सम्पन्न करेंगे। लेकिन Ankita शैक्षणिक धार्मिक तथा सत्कार्यो को करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

धन

Dinesh और Ankita की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः इसका आर्थिक स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा सामान्य रूप से धन तथा लाभ प्राप्त करने में दम्पति सफल होंगे। Dinesh एवं Ankita की राशि परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Dinesh और Ankita की आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता में वृद्धि होगी तथामंगल का प्रभाव भी शुभ ही रहेगा। अतः आय स्रोतों में वृद्धि होगी।

Dinesh को लाटरी या सटटे आदि के द्वारा अचानक धन की प्राप्ति हो सकती है या

किसी अन्य स्रोत से एक साथ प्रचुर मात्रा में लाभ के योग बनेंगे। इस प्रकार Dinesh और Ankita धनऐश्वर्य से युक्त होकर अपना समय व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

Dinesh का जन्म आद्य तथा Ankita का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा उत्तम स्वास्थ्य का उपभोग करते हुए ये अपना दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। लेकिन यदा कदा मंगल का दुष्प्रभाव Dinesh के स्वास्थ्य पर होगा। इसके प्रभाव से वे समय समय पर पित या गर्मी के द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा हृदय संबधी परेशानियां भी हो सकती है। साथ ही धातु या काम क्रिया संबधी शिथिलता का भाव भी होगा। इससे परस्पर यदा कदा असन्तुष्टि का भाव उत्पन्न हो सकता है लेकिन इसका कोई गंभीर परिणाम नहीं होगा तथा सामान्यतया दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता बनी रहेगी। मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए Dinesh को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा तथा मंगलवार का व्रत करना चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Dinesh और Ankita का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Ankita के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Ankita को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Dinesh और Ankita बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Dinesh और Ankita का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ankita के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ankita के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ankita अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ankita के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Dinesh के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Dinesh अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Dinesh के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Dinesh के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

लग्न फल

Dinesh

ज्योतिषीय आकृति के अनुरूप आपका जन्म रेवती नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म की शुभ अनुकूलता मात्र प्रत्याशा पूर्वक विश्वास ही नहीं दिलाता है। बल्कि साथ-साथ आपके सांसारिक सुखों को स्वाभाविक रूप से धन लाभ से युक्त करा कर धार्मिक मानचित्र को उन्नतिशील कर रहा है।

मीन राशि आपको ज्ञात कराता है कि इस राशि के प्राणी मोक्ष प्राप्त कर उद्धार हो जाते हैं। आप अत्यंत मर्यादित एवं विश्वसनीय प्राणी है। क्योंकि आपका झुकाव धार्मिक है। आपको संतों की सेवा हेतु उत्सुक कर दिया है। आप सांसारिक सुखों में जिससे आप संबंधित हैं और उस अभिप्रायः में उन्नति कर सकते हैं। यह विषय चिंतनीय एवं निश्चित है कि आप अपने कार्य विषय में सुगमता पूर्वक लक्ष्य तक नहीं जा सकते। क्योंकि मीन राशि द्विस्वाभावात्मक स्वभाव के होते हैं जो आपके चरित्र को दो विपरीत दिशा में विभक्त करता है। आपका एक पक्ष तो यह है कि आपकी अभिरूचि धार्मिक दर्शन के पक्ष में है। अन्य दूसरा पक्ष आपको वासनात्मक प्रवृति की ओर अभिलाषित करता है। अतएव आप स्वच्छंदता पूर्वक यह धारण कर लें कि आपको कौन सा पथ चयन करना है। मिश्रित विचार के कारण दोनों दिशाओं में से कोई भी दिशा न यहां का रहने देगा और नहीं वहां का।

आप इन विचारों से उपर उठकर उत्सुकता पूर्वक सुनिश्चित करें कि क्या आपके घरेलू जीवन में वसना सर्वथा सहायक होगा। भविष्य में आप एक अच्छी पत्नी के पति होंगे तथा आपका एक प्रसन्नतम घर भी होगा। इसकी संपन्नता के संबंध में आपको विचार करना चाहिए कि पारिवारिक सुखद वातावरण के लिए अपनी भागीदारी प्रदान करना है।

आपके संबंध में कुछ और भी लाभ जनक बिंदु यह है कि आप शीघ्रतापूर्वक रूचि कर औपचारिकता यह निभाएं कि अकर्मणयता (नपुंसकता) त्याग कर स्नेहमय वातावरण का निर्णायक आप अन्य लोगों की मदद करें। परंतु आप एकाएक किसी भी विषय को प्रस्तुत नहीं करें। परिस्थिति वश किसी को भी दुःख नहीं पहुंचाएं। आप सामान्य लोगों का अपना प्रिय पात्र बनाएं। अतएव आप ऐसा अनुभव नहीं करे कि अधिक आयु के हो जाने पर आपको अपनी संतान पर निर्भर रहना पड़ेगा। आप अपनी अभिलाषा यह रखें कि अपने संभव कार्य कलाप द्वारा बाद की उसमें खर्च हेतु आय का कुछ अंश को सुरक्षित कर लें। आप इसी प्रकार के कार्य उद्देश्य रखें तथा कुशाग्र बुद्धिमत्ता पूर्वक अच्छी व्यवसाय करें। इसके पश्चात् प्रायः भाग्य आपका पक्षपाती नहीं होगा।

दूसरी दृष्टि से आपकी जन्मपत्रिका में तीन निराशात्मक महत्वपूर्ण बिंदु दृश्य हो रहे हैं जो कि आपकी आयु के 17 वें, 21 वें और 24 वें वर्ष आपके लिए बहुत अधिक अनुकूल प्रमाणित नहीं होंगे अर्थात् जीवन की उपरोक्त संबंधित आयु आपके लिए प्रतिकूल फलदायी

होगा। आपके लिए यह अनुग्रहणीय है कि आप इस उम्र में सतर्कता पूर्वक अग्रसर होंवे।

आपके लिए अन्य आवश्यक सुझाव यह है कि आप अपने मित्रों से भी सावधान रहें। क्योंकि इनका हाव-भाव एक घनिष्ट मित्र के जैसा होगा। जो अविश्वसनीय प्रमाणित होगा। इसलिए आप इनका गहन अध्ययन कर अथवा गंभीरता पूर्वक विचार कर, इनको अपना बनावें।

आपके लिए रंगीन समय तब होगा जबकि आप अपने व्यवहारिक जीवन में रंग गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग के वस्त्रादि का व्यवहार करें। परंतु नीले रंग का परित्याग करें। मात्र नीला रंग आपके हित प्रतिकूल है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली है। एवं अंक 8 आपके लिए निश्चित रूप से खराब है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन भाग्यशाली एवं महत्वपूर्ण कार्य हेतु अनुकूल है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के शेष दिन सर्वथा त्याज्यनीय है।

Ankita

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति से इस संयोजन की स्थापना हो रही है कि आपका जीवन आदर्श, संपन्न एवं प्रसन्नतम रहेगा।

आपकी राशि ने आपकी लाभजनक एवं अनुकूलता से युक्त संपूर्ण जीवन-यापन हेतु आपके हाथ को व्यवहार से युक्त बनाया है। यदि आप वासना के प्रति अपनी मनोवृति को विमुख कर लें तथा अपनी इच्छा को मद्यपान लालच का परित्याग कर दें। पश्चात् यदि आप अपने जीवन में समझदारी से सफल महिला बन जाएंगी। आप विश्वसनीय धार्मिक, आदरणीय, अपने अभिभावक की दृष्टिकोण से समझी जाएंगी तथा आप धर्म नेता एवं संतों की सेवा के प्रति रूचिवान रहेंगी तथा अन्यों की दृष्टि में एक आदर्श प्राणी देखी जाएंगी।

इसमें संदेह नहीं कि आप अन्यों की संपत्ति को बिना अधिकृत किए हुए तथा बिना किसी की छत्र-छाया के धन संचय करेंगी।

आप अपने पारिवारिक सदस्यों की मांग अर्थात् आवश्यकता की पूर्ति सदैव उनसे मिल कर करती रहोगी। सदैव आपकी अपनी उदारता के कारण अपने अपने मित्रों की सहायता करेंगी। परंतु कुछ लोग संगठित हो कर अकस्मात् आपकें सांसारिक सुख भोग में नीचता दिखावें। यदि आप इसको त्याग कर, लोगों की सहायता हेतु दान प्रदान के प्रति रूचिवान बन जाएं तब आप अपने उद्देश्य के अनुरूप ऊपर ऊठ जाएंगी तथा यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपका आदर्श मानव की सेवा ही भगवान की सेवा है। इन बातों में आप विश्वास करती हैं।

आप अपने मित्रों के उपर अंध विश्वास करने की प्रवृति का परित्याग करें। वास्तव

में आपका मित्र सच्चे हैं एवं आप ऐसा अंगीकृत करती हो कि आपके मित्र पूर्णरूपेण आपके प्रति समर्पित हैं। अतएव आपकी आदत है कि ऐसा अनुभव करती हो कि ये लोग समय पर निश्चित रूप से मेरा समर्थन करेंगे। लेकिन आपको उस समय गंभीर आघात का अनुभव होगा जबकि वे मित्र अपनी वचन बद्धता के प्रतिकूल आचरण कर किसी भी प्रकार से किसी भी समय आपको किसी भी कार्य के योग्य नहीं समझेंगे। इसलिए आप अपने मित्रों के साथ सतर्कता पूर्वक व्यावसायिक व्यवहार हेतु अग्रसर होवे।

अपनी मदद स्वयं करना ही उत्तम सहयोग है। आपके पास इतनी बुद्धि और सामर्थ्य है कि आप अपनी समस्याओं स्वयं सुलझा सकते हैं। इसलिए आप अन्य की सहायता मत ले अन्यथा आप कालांतर में उनकी चंगुल में फंस जाएंगी। हर दशा में आवश्यक है कि आप अपनी कार्य योजना के पीछे पूर्ण आत्म विश्वास के साथ सुनिश्चित ढंग से अग्रसर हों। पुनः निश्चित रूप से आप अपना लाभांश प्राप्त कर लेंगी।

आप अपने संपूर्ण जीवन क्रम में तीन बार समस्याओं के साथ मुठभेड़ करेंगी। यह आयु आपके जीवन की 17 वर्ष, 21 वर्ष एवं 24 वर्ष में ऐसा प्रमाणित होगा कि आप भाग्यशाली नहीं है। इसलिए इस अवधि में ध्यान एवं सर्तकता पूर्वक अग्रसर होंवे। इसके पश्चात आपकी आयु लंबी एवं भव्यता पूर्वक व्यतीत होगी।

आपके लिए व्यवसायों में अनुकूलता के अनुरूप धार्मिक संस्थाओं का प्रधान पद (प्रेस) मुद्रण कार्य, प्रचार कार्य एवं विज्ञापन कार्य, रेडियो टेलिफोन एवं ज्योतिषीय कार्य उत्तम प्रतीत होता है। यदि आपकी इच्छा हो, तो आप वकालत कार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य में चमत्कृत हो सकती हैं। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से दीर्घायु एवं स्वस्थ रहेंगी। लेकिन यदि मद्य पान अथवा धुम्रपान की तो संभव है कि आप क्रमानुसार आंत्रशोध, अल्सर, वृक्कशोथ रोगादि से प्रभावित हो सकते हैं। अतः इस प्रकार की परिस्थिति उत्पन्न होने के पूर्व इसके संबंध में विचार करना चाहिए।

यह विचारणीय तथ्य नहीं है कि आपका अपना जीवन कैसा होगा। आप इस भावना के प्रति आश्वस्त रहे कि आपका घरेलू जीवन समझदार पति एवं उदीयमान पुत्रों से युक्त होगा।

आप सर्वदा इस बिंदु को परित्याग करें कि आपके लिए अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल एवं अनुपयुक्त है। आपके लिए अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली एवं उत्तम है।

आपके लिए रंगों में गुलाबी रंग, लाल, नारंगी एवं पीला रंग अनुकूल प्रतीत होता है। आपके लिए स्पष्ट रूप से नीला रंग अग्राह्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में आपके लिए उत्तम दिन रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन अच्छा प्रमाणित होता है। इसके अतिरिक्त शेष दो दिन बुधवार एवं शनिवार सर्वथा प्रतिकूल है।

अंक ज्योतिष फल

Dinesh

आपका जन्म दिनांक पाँच होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक पाँच होता है। इसका स्वामी बुध ग्रह है। मूलांक पाँच के प्रभाववश आप रोजगार के क्षेत्र में नौकरी की अपेक्षा व्यापार के मार्ग की ओर अधिक आकृष्ट रहेंगे। यदि आप नौकरी का मार्ग चुनते हैं तो ऐसा रोजगार आपको अधिक पसन्द आयेगा। जहाँ लेन-देन, लेखा, यांत्रिकी, वाणिज्य, इत्यादि का कार्य होता हो। कम्पनी, फैक्ट्री, उच्च व्यापार जगत आपको रास आयेगा।

बुधग्रह के प्रभाववश आपके अन्दर वाक्पटुता, तर्कशक्ति अच्छी रहेगी एवं सामने वाले व्यक्ति को आप अपनी बातों से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे। आप हर कार्य को जल्दी समाप्त करना पसन्द करेंगे एवं ऐसे रोजगार की ओर उन्मुख होंगे जिसमें शीघ्र सफलता कम मेहनत तथा अधिक लाभ पर प्राप्त होती रहे। आप थोड़े जल्दबाज एवं फुर्तीले भी रहेंगे। जल्दबाजी के चक्कर में आप कभी-कभी हानियों का भी सामना करेंगे।

आपकी मानसिक स्थिति चंचल होने से आपको शीघ्र क्रोध आ जाया करेगा एवं कभी-कभी चिड़चिड़ाहट भी रहा करेगी। आप अधिकांशतः बुद्धि जनित कार्यों में रुचि लेंगे। इस कारण आपकी दिमागी ताकत अधिक खर्च होने से अधिक आयु में आपको स्नायुवेग द्वारा उत्पन्न रोगों का भी सामना करना पड़ेगा।

मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से कमोवेश बुध के गुण-अवगुण आपके अन्दर आयेंगे। विद्याध्यन लेखन-पठन की ओर आपकी विशेष रुचि रहेगी।

Ankita

आपका जन्म दिनांक 17 है। एक एवं सात के योग से आपका मूलांक 8 होता है। आठ मूलांक का स्वामी शनि है। अंक एक का सूर्य तथा सात का भारतीय मत से केतु एवं पाश्चात्य मत से नेपच्यून है। इन तीनों ग्रहों का प्रभाव आपके जीवन में दृष्टिगोचर होगा। मूलांक 8 के स्वामी शनि प्रभाव से आपकी उन्नति धीरे-धीरे होगी। आपके जीवन में संघर्ष अधिक रहेंगे एवं प्रत्येक कार्य को प्रारम्भ करने के बाद अवरोध आयेंगे। जिन्हें आप मेहनत एवं धैर्य से पार कर उन्नति का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

निराशा एवं आलस्य दो अवगुण आपकी प्रगति के बाधक रहेंगे। अतः किसी भी कार्य की असफलता से निराश न हों तथा दुबारा प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी। कार्य में कर्म के सिद्धांत को मानते हुये आलस्य से दूर रहना सफलता की कुंजी रहेगा। अंक एक के स्वामी सूर्य एवं सात के केतु या नेपच्यून के प्रभाव से आपकी कल्पना शक्ति, विचार शक्ति अच्छी रहेगी। आप में दूसरों को समझनें की शक्ति अच्छी होगी। अतीन्द्रिय ज्ञान भी अच्छा रहेगा। सूर्य प्रभाव से आपका नाम स्थायी प्रसिद्धि को प्राप्त करेगा। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में आपको यश तथा लाभ प्राप्त होगा।

उच्च वर्ग में आप लोकप्रिय होंगी एवं उच्चवर्ग से लाभ प्राप्त करेंगी। आपकी इच्छा शक्ति दृढ़ रहेगी एवं अपनी बात पर अडिग रहने की प्रवृत्ति आप में पाई जायेगी। आप थोड़ी हठी होंगी। हठ की यह प्रवृत्ति यदाकदा आपको हानि भी पहुँचायेगी। अतः जहाँ तक हो सके आप अपने हठ पर सन्तुलन रखें एवं क्रोध पर नियंत्रण रखें। सूर्य केतु शनि ग्रहों के प्रभाव से आप अपने जीवन में एक सफल महिला होंगी। आपकी ख्याति अच्छी रहेगी तथा दूसरों के लिये उदाहरण का कार्य करेंगी।

Dinesh

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओ के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगे। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगे। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण के शौकीन रहेंगे। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रहे हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनते हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।

Ankita

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओ के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगी। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगी। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण की शौकीन रहेंगी। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रही हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनती हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।